



चेतना की चुदाई उसी के घर में -1

“चेतना मेरे साथ स्कूल जाया करती थी। एक दिन बस से उतरते हुए वो फ़िसल गई और उसकी ड्रेस कीचड़ से सन गई। कीचड़ साफ़ करते हुए मेरे हाथ उसकी चूचियों पर पड़े तो... ..”

Story By: shusant chandan (shusantchandan)

Posted: Tuesday, December 8th, 2015

Categories: [जवान लड़की](#)

Online version: [चेतना की चुदाई उसी के घर में -1](#)

चेतना की चुदाई उसी के घर में -1

दोस्तो, जैसा कि आप जानते हैं मैं सुशांत पटना से हूँ। आपने मेरी अभी हाल में प्रकाशित दो कहानियाँ अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ीं.. इसके अलावा आप [अन्तर्वासना की इस लिंक](#) को क्लिक मेरी सारी कहानियों का लुत्फ़ ले सकते हैं।

अब आपको एक और कहानी सुनाने जा रहा हूँ..

बात तब की है.. जब मैं पढ़ता था। तब से ही मुझे सेक्स करने की चाहत थी। हमेशा किसी की चूत मारने की सोचता था.. पर कभी मौका नहीं मिला था।

फिर अचानक एक दिन मेरी किस्मत ने जोर मारा। तब मेरे साथ मेरी एक दोस्त थी.. जिसका नाम चेतना था। वो मेरे घर के पास ही रहती थी। हम दोनों एक साथ स्कूल जाया करते थे।

आपको चेतना के बारे में बता दूँ.. वो एक गोरी सी मस्त छोकरी थी उसकी हाइट मेरे बराबर ही होगी.. लेकिन उसके चूचे उसकी बाली उमर के हिसाब से थोड़े बड़े थे। उसके होंठ एकदम पतले थी... जिसको कोई भी एक बार देखे.. तो उसको चूसने का मन करे। उसके उभरे हुए चूतड़ों का क्या कहना.. एकदम मस्त थे। कुल मिला कर कहूँ तो वो अभी माल तो नहीं बनी थी.. पर बनने वाली थी।

मैं अब तक उसके बारे में कभी भी ग़लत नहीं सोचा था.. लेकिन एक दिन मेरे साथ कुछ ऐसा हुआ कि मैं उसके साथ सेक्स कर बैठा।

एक दिन हम दोनों स्कूल जा रहे थे.. तब वो सफ़ेद शर्ट और स्कर्ट पहने हुई थी.. जो कि हमारा स्कूल ड्रेस था। स्कूल जाने के लिए हमें दो बार बस बदलनी पड़ती थी.. सो हम दोनों एक बस से उतर कर रोड पर चल रहे थे कि तभी वो फिसल कर गिर गई..

जिससे उसकी शर्ट पर उसकी चूचियों के पास कीचड़ लग गया.. तो मैं उसको पास के एक पार्क में ले गया और उधर के पानी से वो अपनी शर्ट धोने लगी.. लेकिन वो ठीक से धो नहीं पा रही थी.. सो मैं उसको बताने लगा कि देखो इधर और लगा है ताकि वो उधर भी कीचड़ साफ़ कर सके। जिधर कुछ अधिक गंदा लग रहा था.. तो मैं उधर के लिए उसे बता तो रहा था.. लेकिन वो साफ़ नहीं कर पा रही थी।

तब मैं अपने हाथ में पानी लेकर उसकी शर्ट को साफ़ करने लगा और उसे साफ़ करने में मुझसे उसकी चूचियाँ दबी जा रही थीं। हालांकि उसकी शर्ट अब भी ठीक से साफ़ नहीं हुई थी.. लेकिन इतनी हो गई थी कि वो ज्यादा बुरी नहीं लग रही थी। इस साफ़ करने की वजह से उसकी शर्ट भीग भी गई थी.. जिससे हम स्कूल तो जा ही नहीं सकते थे।

तो मैंने उससे कहा- चलो पहले तेरे घर चलते हैं.. और तुम अपनी ड्रेस चेंज कर लेना.. फिर स्कूल चलेंगे।

वो मेरी बात सुनकर तैयार हो गई और हम लोग एक बस में बैठ कर वापस लौटने लगे। हम लोग बस के एक कोने वाली सीट पर बैठे थे।

मैंने कहा- चेतना.. अपना बैग उतार कर पीछे की सीट पर रख दो..

तो वह पीठ से अपना बैग उतारने लगी। जब वह बैग उतार रही थी तो उसकी शर्ट के कंधे पीछे की ओर हो गए और उसके चूचे बाहर की ओर निकल आए। मैंने देखा कि पानी में भीगने की वजह से उसके चूचुक एकदम कड़क हो गए थे।

उसकी आधी नंगी चूचियों को देख कर तो मेरा लण्ड खड़ा हो गया। उसकी चूचियों की साइज़ कम से कम 32 इंच तो होगी ही। मेरा मन कर रहा था कि बस स्कूल न जाकर उसे घर ले जाकर चोद दूँ।

मैं तो बस उसके मम्मों के बारे में ही सोच रहा था। इसी उधेड़बुन में एक बार गलती से मेरी कोहनी उसके मम्मे में लग गई.. बस फिर क्या था.. मेरे तो पूरे बदन में मानो आग सी लग

गई और फिर मैं किसी न किसी बहाने से उसकी चूचियों को बार-बार रगड़ने लगा ।

थोड़ी देर में हम उसके घर पहुँच गए । मैं अपना बैग लेने के लिए पीछे मुड़ा.. इतने में वो भी मुड़ी.. उसके होंठ मेरे गालों से छू गए ।

फिर मैं बोला- बैग यहीं छोड़ कर चलो अपने कपड़े बदल लो ।

वो बोली- ठीक है चलो ।

घर की सीढ़ी चढ़ते वक़्त मैंने देखा कि उसके चूचे ऊपर-नीचे उछल रहे हैं । ये देख-देख कर मेरा तो लण्ड खड़ा हुआ जा रहा था । ना जाने कैसे उसकी शर्ट का बटन खुल गया था.. अन्दर से उसकी सफ़ेद रंग की ब्रा चमक रही थी.. लेकिन किसी तरह मैंने अपने आपको संभाल लिया ।

जब हम उसके घर गए.. तो घर में कोई नहीं था । मैंने उससे पूछा तो बोली- सब लोग एक शादी में गए हैं ।

मेरे मन में आया कि आज कुछ भी हो जाए.. इसको चोद कर ही जाऊँगा ।

वो बाथरूम में गई और अपनी ड्रेस चेंज करने लगी । बाथरूम के दरवाजे में एक छेद था.. जिससे अन्दर का सब कुछ दिख रहा था ।

मैंने देखा कि उसने सबसे पहले अपनी शर्ट उतार दी.. अब मुझे उसकी पतली कमर.. जो लगभग 26 इंच की होगी और मुलायम अधखुली चूचियां दिख रही थीं ।

फिर उसने अपनी स्कर्ट भी उतार दी ।

अब नीचे सिर्फ़ पैंटी थी.. जिससे उसकी गोरी और गोल-मटोल चूतड़ों की मदमस्त झलक दिख रही थी ।

इतने में वो आगे को मुड़ी और उसकी चूचियाँ इतनी बेसब्र लगीं.. मानो ब्रा की कैद से जल्दी बाहर निकलना चाह रही हों ।

नीचे देखा तो नजारा ही मस्त था.. उसकी फूली हुई चूत.. जो पैटी के ऊपर से साफ पता चल रही थी।

इतने में उसने अपनी ब्रा भी उतार दी.. और उसकी दोनों चूचियाँ आज़ाद हो गईं.. फिर उसने अपनी पैटी भी उतार दी। अब मेरे सामने उसका पूरा नंगा बदन था।

उसकी चूत पर एक भी बाल नहीं था। फिर वो अपने संगमरमर जैसे बदन को एक तौलिया से पोंछने लगी। तब तक मेरा लण्ड भी तन कर तंबू बन गया था उसकी नशीली जवानी के दीदार से मुझसे रहा नहीं गया और मैं अपने लण्ड को निकाल कर मुट्ठ मारने लगा। कुछ ही पलों में मैंने अपना सारा माल वहीं पर गिरा दिया।

अभी मैं स्वलित होने के बाद अपने लण्ड को पोंछ कर पैन्ट के अन्दर डाल ही रहा था कि तभी मैंने देखा कि चेतना बाथरूम से निकल आई है और उसने मुझे लण्ड को अन्दर डालते हुए देख लिया है।

मेरे होश उड़ गए.. मुझे एक शर्मिंदगी का अहसास सा होने लगा.. साथ ही मुझे लगा कि कहीं यह नाराज न हो जाए और मुझे इसकी चूत से हाथ गंवाना पड़ जाए।

तब भी मेरे मन में उसको चोदने की कसक अभी बाकी थी.. क्या हुआ क्या उसने मुझे चोदने दिया या मैंने कुछ और किया.. जानने के लिए अन्तर्वासना डॉट कॉम से मेरे साथ जुड़े रहिएगा।

दोस्तो.. आपको मेरी यह कहानी कैसी लगी.. मुझे मेल करके जरूर बतायें.. इस पर भी आप अपने सुझाव भेजें।

मुझे आपके मेल का इन्तज़ार रहेगा..

कहानी जारी है।

shusantchandan@gmail.com

my facebook link is <https://www.facebook.com/profile.php?id=100010396984039>

Other stories you may be interested in

मेरी क्लास का हैंडसम लड़का – गे स्टोरी

हैलो फ्रेंड्स, उम्मीद है, आप सब लोग ठीक होंगे. सबसे पहले मैं अपने बारे में बता देता हूँ, मेरा नाम प्रिंस दीप है. मेरी उम्र 18 साल है, फिजिकली में गोलमटोल हूँ. वैसे तो मैं नॉर्मल लड़कों की तरह ही [...]

[Full Story >>>](#)

अपने ऑफिस वाले सर से होटल में चुद गयी

हैलो फ्रेंड्स, मेरा नाम नेहा है. मैं जॉब करती हूँ और शहर में रहती हूँ. मैं बहुत सेक्सी और बड़ी चूचियां और बड़ी गांड वाली काफी सुन्दर लड़की हूँ. मेरी जॉब बहुत अच्छी है, ये जॉब मुझे मेरे सेक्सी जिस्म [...]

[Full Story >>>](#)

बीपीएल राशनकार्ड बनवाने की फीस

हैलो दोस्तो, मेरा नाम अजय है. मैं उत्तर प्रदेश का रहने वाला हूँ. आज मैं आपके सामने अपनी अगली कहानी पेश कर रहा हूँ. ये कहानी किसी दूसरे लेखक/पाठक ने मुझे भेजी है. जिसने मुझे ये कहानी भेजी है, वो [...]

[Full Story >>>](#)

अन्तर्वासना पाठक का अजेय लंड

दोस्तो, मैं अर्पिता एक बार फिर हाजिर हुई हूँ मेरी जवानी की प्यास की कहानी लेकर. सबसे पहले तो आपका बहुत-बहुत धन्यवाद कि आपने मेरी पहली कहानी मेरी कुंवारी चूत की पहली चुदाई को इतना प्यार दिया. मुझे इतने सारे [...]

[Full Story >>>](#)

मदमस्त काली लड़की का भोग-3

अब तक की कहानी में आपने पढ़ा कि मैंने सलोनी का विश्वास जीत कर उसके जिस्म के साथ खेलना शुरू कर दिया. जैसे-जैसे उसके जिस्म से कपड़ों की परत उतर रही थी मेरे लंड का तनाव हर पल और ज्यादा [...]

[Full Story >>>](#)

